

16/5/24

प्रावली पेडा ऊँडा वारी व वारी व वारी
हो हाजिरा वारी व वारी व वारी को
अक अकका वा-वा- बाबाज ल्याई
वाई। वा-वा- बाबाज ल्याते के
बाद भी वारी व वारी व वारी गेट
हाजिरा लियेजा वारी का बाद अकम
हमरी व अकम पैवी में खारज किया
जाता हो प्रावली फेनल होकर
नम्र हो के कम हो जाकर दुनार
दरिदर हो लुई